राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

श्री चित्रगुप्त मंदिर हैदरगंज मे चल रहे महोत्सव का हुआ समापन

अयोध्या। चित्रांश सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष के सी श्रीवास्तव ने बताया महात्मा ओम तत्सत के सानिध्य में महोत्सव चित्रगुप्त मंदिर विधि विधान रूप सम्पन्न हुआ।जिसका समापन सवा लाख मंत्रों कीआहुति देने के बाद भंडारे से समाप्त हुआ।महात्मा जी का आशीर्वाद इस मंदिर को मिला।श्री चित्रगुप्त मंदिर में हवन पूजन में स्थानीय लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।इस अवसर पर विशेष रूप से इंजीनियर हरिश्चंद्र श्रीवास्तव,कैलाश लाल श्रीवास्तव, श्री निवास श्रीवास्तव,प्रदीप शंकर,शिव शंकर श्रीवास्तव विजय कुमार, शैलेश कुमार, जगदीश यादव, वीरेंद्र वर्मा , केशव बिगुलर रमेश चंद्र श्रीवास्तव, सचिन शंकर आदि लोग विशेष रूप से मंदिर में उपस्थित रहे।

वर्ष – 03 | अंक – 230 | जौनपुर | गुरुवार, 10 अप्रैल 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कामरा जब भी मुंबई आएंगे, हम उनसे जवाब मांगेंगे – शिवसेना विधायक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शिवसेना विधायक मुरजी पटेल ने कहा है कि पार्टी कॉमेडियन कुणाल कामरा के मुंबई आने पर उनसे जवाब मांगेगी, जो महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ टिप्पणी करने के मामले में प्राथमिकियों का सामना कर रहे हैं। पटेल ने मंगलवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि कामरा राज्य में आने से बच रहे हैं। पटेल की शिकायत पर मुंबई पुलिस ने स्टैंड–अप कॉमेडियन के खिलाफ मामला दर्ज किया। विधायक ने कहा कि पुलिस द्वारा समन जारी किए जाने के बावजूद कामरा मुंबई नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि कामरा को 'आज या कल में' तो पुलिस के सामने आना ही होगा। कामरा तीन बार समन जारी किए जाने के बावजूद पूछताछ के लिए मुंबई पुलिस के सामने पेश नहीं हुए हैं। पटेल ने कहा, ''वह अब भी मुंबई नहीं आ रहे हैं। वह राज्य के बाहर हैं। मुझे पता है कि उन्हें अदालत (मद्रास उच्च न्यायालय) से अग्रिम जमानत मिल गई है। उन्होंने हमें एक प्रति भेजी है। ऐसे कई नोटिस आते–जाते रहते हैं। हम निश्चित रूप से कुणाल कामरा के मुंबई आने पर उनसे जवाब मांगेंगे।'' कामरा अपने नए शो 'नया भारत' में उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खिलाफ अपनी 'गद्दार' वाली टिप्पणी को लेकर विवादों में हैं, जिसका प्रीमियर पिछले महीने उनके यूट्यूब चौनल पर हुआ था। पटेल की शिकायत के बाद, मुंबई में खार पुलिस ने पिछले महीने कामरा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 (1) (बी) और 356 (2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी।

एटीएम के अंदर पुलिस कांस्टेबल से लूटपाट, दो गिरफ्तार

ग्वालियर, (एजेंसी)। ग्वालियर में बदमाशों के एक समूह ने एक एटीएम के अंदर एक पुलिस कांस्टेबल से लूटपाट की। इतना ही नहीं, बेखौफ बदमाश भागने के लिए कांस्टेबल को अपने कार की बोनट पर एक किलोमीटर दूर तक लेकर भी गए और इस दौरान लापरवाही से गाड़ी चलाई। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना झांसी रोड इलाके में उस समय हुई जब नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) मनीष यादव के आधिकारिक चालक कांस्टेबल नरेंद्र पलिया एटीएम बूथ से बाहर निकल रहे थे। पालिया ने संवाददाओं को बताया कि तीन–चार युवक बूथ में घुस आए और उनसे मारपीट की। बदमाशों ने उनके डेबिट कार्ड तथा निकाली गई 10,000 रुपये की धनराशि भी छीन ली। इसके बाद हमलावर भाग गए और बाहर खड़ी एक कार में बैठ गए। जब पालिया ने उनका रास्ता रोकने की कोशिश की तो चालक ने तेजी से गाड़ी चलाना जारी रखा, जिसके परिणामस्वरूप कांस्टेबल बोनट पर गिर गया। अधिकारियों के मुताबिक चालक बोनट पर बैठे पालिया को लेकर तेज गति से आगे बढ़ा लेकिन एक किलोमीटर के बाद मोड़ पर कार की रफ्तार धीमी होने पर वह कूद गया।

नमोकार महामंत्र भौतिक और आध्यात्मिक दुखों से मुक्ति दिलाता है - सीएम योगी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विश्व नमोकार महामंत्र दिवस पर कहा कि यह महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की धरती जैन तीर्थंकरों की पावन भूमि रही है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ, वहीं, काशी की धरती पर भी तीर्थंकर का जन्म हुआ। बुधवार को गोमती नगर स्थित संगीत नाटक अकादमी में 'जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन' द्वारा आयोजित भव्य कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने व्यवहारिक जीवन में नमोकार महामंत्र को उतारने के लिए 9 संकल्प बताए हैं जिन्हें हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं भी दीं और जैन धर्म की अहिंसा और परोपकार की शिक्षाओं को जन–जन तक पहुंचाने की अपील की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नमोकार महामंत्र के महत्व को बताते हुए कहा कि साधना, आत्मशुद्धि और लोक कल्याण की भावना से जुड़कर व्यक्ति ना केवल स्वयं का कल्याण करता है, बल्कि समाज और दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा ''पहली बार पूरी दुनिया में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस का एक साथ आयोजन कर जैन धर्म की शिक्षाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित किया गया है। यह सभी के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेगा।

व्यापार समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है भारत– विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क का प्रभाव फिलहाल ज्ञात नहीं है और इस स्थिति से निपटने के लिए नयी दिल्ली की रणनीति इस साल के अंत तक वाशिंगटन के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करना है। शुल्क को लेकर अमेरिकी नीति पर पहली विस्तृत प्रतिक्रिया के तहत जयशंकर ने कहा कि भारत शायद एकमात्र देश है जो ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद वाशिंगटन के साथ व्यापार सौदे को अंतिम रूप देने के लिए समझ कायम करने के स्तर तक पहुंच गया है। विदेश मंत्री ने भारत समेत लगभग पांच देशों के खिलाफ व्यापक शुल्क लागू होने के कुछ घंटों बाद यह टिप्पणी की है। इससे बड़े पैमाने पर व्यापार व्यवधान और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका पैदा हो गई। भारत उन देशों में से एक है, जिन्होंने इस मामले पर प्रतिक्रिया देने में सतर्क रुख अपनाया है। भारत ने कहा कि वह द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत कर रहा है। न्यूज 18 राइजिंग इंडिया सम्मेलन में जयशंकर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस बारे में बात करना संभव है कि इसका क्या असर होगा, क्योंकि हम नहीं जानते। हमारी रणनीति क्या है? मुझे लगता है कि यह बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने कहा, हमने तय किया कि हम इन मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन से जल्द ही बातचीत करेंगे।

कैबिनेट से जीरकपुर बाईपास को मंजूरी, आंध्र-तमिलनाडु को भी मिली बड़ी सौगात

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को कई अहम फैसलों को मंजूरी दी गई। बैठक में रेल लाइन प्रोजेक्ट और बाईपास परियोजना पर कैबिनेट की मुहर लगी। केंद्रीय कैबिनेट ने जीरकपुर बाईपास के निर्माण, तिरुपति–पाकला–कटपडी सिंगल रेलवे लाइन के दोहरीकरण और कमांड एरिया डेवलपमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट (एम–सीएडीडब्ल्यूएम) के आधुनिकीकरण को मंजूरी दी है। वहीं कैबिनेट ने हाइब्रिड एन्युटी मोड पर पंजाब और हरियाणा में 1878.31 करोड़ रुपये की लागत से 19.2 किलोमीटर लंबाई वाले 6 लेन वाले एक्सेस कंट्रोल्ड जीरकपुर बाईपास के निर्माण को मंजूरी दी है। इस परियोजना क उद्देश्य पटियाला, दिल्ली, मोहाली एरोसिटी से यातायात को डायवर्ट करके और हिमाचल प्रदेश को सीधा संपर्क देकर जीरकपुर, पंचकूला और आसपास के क्षेत्रों में भीड़भाड़ को कम करना है। वर्तमान प्रस्ताव का उद्देश्य यात्रा के समय को कम करना और छभ्–7, छभ्–5 और छभ्–152 के भीड़भाड़ वाले शहरी खंड में परेशानी मुक्त यातायात सुनिश्चित करना है। कैबिनेट ने आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में तिरुपति–पाकला–कटपडी सिंगल रेलवे लाइन सेक्शन (104 किमी) के दोहरीकरण को मंजूरी दी, जिसकी कुल लागत 1332 करोड़ रुपये होगी। मल्टी–ट्रैकिंग परियोजना से लगभग 400 गांवों और लगभग 14 लाख आबादी तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

सोनिया-राहुल सोफे पर बैठे, खरगे के लिए किनारे लगाई अलग कुर्सी, भाजपा ने कांग्रेस को बताया दलित विरोधी

अहमदाबाद, (एजेंसी)। भाजपा ने एक बार फिर कांग्रेस और उसके आलाकमान पर दलित विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया। दरअसल, कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक अमहदाबाद में चल रही है। इससे जुड़ा एक वीडियो भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर पोस्ट किया। इसमें दिखाया गया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए अलग से कुर्सी लगाई गई, जबकि सोनिया गांधी और राहुल गांधी बीच में लगे सोफे पर बैठे थे। अमित मालवीय ने लिखा, श्पहले खरगे जी का सम्मान करना सीखो। वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनकी कुर्सी किनारे पर लगाने का क्या मतलब था? यह साफ दर्शाता है कि कांग्रेस दलित विरोधी है। पहले खड़गे जी का सम्मान करना सीखो। वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनकी कुर्सी किनारे पर लगाने का क्या मतलब था? यह साफ दर्शाता है कि कांग्रेस दलित विरोधी है। दरअसल, अमित मालवीय का पोस्ट राहुल गांधी के वीडियो ट्वीट के जवाब में आया, जिसमें राहुल ने भाजपा पर दलित विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया था। राहुल ने एक वीडियो डालकर लिखा था, श्भाजपा की दलित विरोधी और मनुवादी सोच का एक और उदाहरण! भाजपा लगातार दलितों को अपमानित और संविधान पर आक्रमण करती आ रही है। इसलिए संविधान का सिर्फ सम्मान नहीं, उसकी सुरक्षा भी जरूरी है। मोदी जी, देश संविधान और उसके आदर्शों से चलेगा, मनुस्मृति से नहीं जो बहुजनों को दूसरे दर्जे का नागरिक मानती है। मामला दो दिन पहले 7 अप्रैल को शुरु हुआ। जब कांग्रेस ने अपने आधिकारिक श्एक्सश हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया और भाजपा पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने लिखा, श्राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली दलित समाज से आते हैं। वे रामनवमी के दिन राम मंदिर में दर्शन के लिए गए। इसके बाद भाजपा के पूर्व विधायक और नरेंद्र मोदी के चहेते ज्ञानदेव आहूजा ने राम मंदिर को गंगाजल से धोया। आहूजा का कहना है कि दलित अपवित्र होते हैं। अपवित्र लोग मंदिर में आ गए थे, इसलिए हमने राम मंदिर को गंगाजल से धो दिया। कांग्रेस ने आगे लिखा, श्ये पहला मामला नहीं है, भाजपा और संघ के लोग लगातार दलितों का अपमान करते रहे हैं। मोदी के करीबी ज्ञानदेव आहूजा ने जो किया है, वह भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता का जीता–जागता सबूत है। साफ है– भाजपा दलित विरोधी है और यही इनका असली चाल, चरित्र और चेहरा है। वो तो संविधान की वजह से भाजपा के लोग दलितों को बर्दाश्त कर रहे हैं और इसलिए ये बार–बार संविधान बदलने की बात भी करते हैं।

तेजस्वी ने खुद को घोषित किया सीएम उम्मीदवार,जेडीयू बोली- यह बिहार की जनता का अपमान

बिहार, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा आगामी बिहार विधानसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ने की वकालत करने के एक दिन बाद, राजद नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने खुद को राज्य में विपक्षी महागठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया। राज्य की राजधानी में 'मुसहर–भुईया महारैली' को संबोधित करते हुए तेजस्वी ने कहा कि अगर राजद के नेतृत्व वाला महागठबंधन सत्ता में आता है और उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के लोगों को 'माई–बहन सम्मान योजना' के तहत लाभ मिलेगा। आरजेडी नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद वे गरीबों को पक्का मकान बनाने के लिए जमीन मुहैया कराएंगे और उन्हें रोजगार देंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला करते हुए कहा, ष्अगर मैं मुख्यमंत्री बना तो मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि आपसे किए गए वादे पूरे हों। भले ही मैं (मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से) छोटा हूं लेकिन मैं अपनी बात पर कायम हूं।ष अपने बयान को पुष्ट करने के लिए बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार में उपमुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए उन्होंने युवाओं को पांच लाख नौकरियां दीं। उन्होंने भीड़ की तालियों के बीच कहा, ष्अब नियुक्ति के दरवाजे खुल गए हैं। सरकार ने विभिन्न विभागों में भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जो महागठबंधन सरकार के दौरान शुरू की गई थी।ष तेजस्वी ने लोगों से बिहार में 'खटारा' सरकार को हटाने की अपील की। उन्होंने कहा, ष15 साल बाद गाड़ी 'खटारा' हो जाती है। नीतीश कुमार की सरकार 20 साल पुरानी है और उसे हटा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार को हटाने से उनके उत्थान का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार हमला बोलते हुए तेजस्वी ने कहा कि चुनाव के कारण वे (पीएम) अक्सर राज्य का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, न केवल पीएम बल्कि उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी भी बिहार का दौरा करेंगे। लेकिन चुनाव खत्म होते ही वे सब कुछ भूल जाएंगे। वहीं, तेजस्वी के ऐलान पर बिहार के मंत्री श्रवण कुमार ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि यह बिहार की जनता का अपमान है। जनता ही फैसला करती है और चुनती है। जनता उन्हें नकार रही है।

बेटी बढ़ाओ महिला सशक्तीकरण की यात्रा का अगला कदम है – रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि लड़कियों को सुरक्षा व शिक्षा देने से आगे बढ़कर उन्हें सक्रिय रूप से सक्षम व उन्नत बनाने का समय आ गया है। इंद्रप्रस्थ महिला महाविद्यालय में "समन्वयरू 100 साल की विरासत का जश्न" कार्यक्रम में उन्होंने महिला सशक्तीकरण की यात्रा में अगले कदम के रूप में बेटी बढ़ाओ वाक्यांश के साथ काम करने का आह्वान किया। गुप्ता ने कार्यक्रम में सैकड़ों युवतियों को संबोधित करते हुए कहा, "हमने बेटी बचाओ से बेटी पढ़ाओ तक की यात्रा पूरी कर ली है और अब बेटी बढ़ाओ का समय आ गया है। हमारी माताओं ने हमें सुरक्षा दी और शिक्षित किया – अब हमारी जिम्मेदारी है कि हम आगे बढ़ने और चमक बिखेरने में लड़कियों की अगली पीढ़ी की मदद करें।" अपने छात्र नेतृत्व के दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा, "जब मैं डीयूएसयू अध्यक्ष थी, तब डीयू ने 1996 में सभी कॉलेजों के लिए एक समान प्रवेश फॉर्म पेश किया था। डीयू में छात्र, शिक्षक और प्रशासक एक साथ काम करते हैं और इस संस्कृति ने इसे देश और दुनिया के बेहतरीन संस्थानों में से एक बना दिया है।" गुप्ता ने महिला नेताओं को आकार देने में दिल्ली विश्वविद्यालय की विरासत पर अपने विचार साझा किए।

नवकार मंत्र विश्व कल्याण से जुड़ी प्रार्थना : राज्यपाल बागडे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने नवकार मंत्र को स्तुति से युक्त सर्व कल्याण प्रार्थना बताते हुए बुधवार को कहा कि यह ध्यान का ज्ञान है। उन्होंने कहा कि यह विश्व कल्याण के साथ बाधाओं के निवारण का आदि मंत्र है। बागडे बुधवार को यहां विश्व नवकार मंत्र दिवस पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंनेकहा कि विश्व नवकार मंत्र दिवस भारत की अध्यात्म परम्परा में निहित विश्व शांति की सामूहिक भावना का द्योतक है। आधिकारिक बयान के अनुसार, बागडे ने कहा कि भारतीय दर्शन मंत्रों की साधना से ही जुड़ा है और मंत्र का अर्थ होता है, पवित्र उच्चारण। उन्होंने कहा कि इससे धरती पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मक भावों से मुक्ति मिलती है। उन्होंने जैन परंपरा में तीर्थंकरों की भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन का आदर्श मार्ग प्रदान किया। 'तप, अहिंसा, अपरिग्रह आदि के मार्ग से जीवन को धन्य करने की शिक्षा तीर्थंकरों ने दी। नवकार मंत्र इसी परंपरा का बहुत पावन भारतीय संस्कार है। यह मानव कल्याण से जुड़ा है।'' राज्यपाल ने इससे पहले नमोकार मंत्र का उच्चारण करते हुए कहा कि इस मंत्र को समझकर और भक्तिपूर्वक जपने से आदिनाथ का ध्यान ही नहीं होता बल्कि जीवन की तमाम समस्याओं के समाधान का मार्ग खुल जाता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म नहीं बल्कि एक महान संस्कृति है।

टीका राम जूली के मंदिर जाने पर शुद्धिकरण से फंसी भाजपा, राहुल ने बताया दलित विरोधी, ज्ञानदेव आहूजा को पार्टी ने किया निलंबित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी ने टीका राम जूली और भाजपा नेता ज्ञानदेव आहूजा द्वारा राम मंदिर के दर्शन से जुड़ी एक विवादित घटना के बाद भाजपा पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया। दलित नेता और राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीका राम जूली ने राम नवमी के अवसर पर राम मंदिर का दर्शन किया। कांग्रेस द्वारा पोस्ट की गई पोस्ट के अनुसार, उनके दर्शन के बाद, भाजपा के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा ने मंदिर को गंगाजल से धोया। कांग्रेस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में भाजपा विधायक ज्ञानदेव आहूजा यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं, कुछ अपवित्र लोग आए थे, इसलिए मैंने मंदिर को शुद्ध करने के लिए गंगाजल डाला। कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे भाजपा और आरएसएस द्वारा दलितों का अपमान करने का एक और उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतें भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाती हैं। कांग्रेस ने एक्स पोस्ट में लिखा किभाजपा का दलित विरोधी चेहरा एक बार फिर सामने आया है। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली जी दलित समाज से आते हैं। वे रामनवमी के दिन राम मंदिर में दर्शन के लिए गए। इसके बाद, भाजपा के पूर्व विधायक और नरेंद्र मोदी के चहेते ज्ञानदेव आहूजा ने राम मंदिर को गंगाजल से धोया। आहूजा का कहना है कि दलित अपवित्र होते हैं। अपवित्र लोग मंदिर में आ गए थे, इसलिए हमने राम मंदिर को गंगाजल से धो दिया। पार्टी ने आगे कहा कि ये पहला मामला नहीं है, भाजपा और के लोग लगातार दलितों का अपमान करते रहे हैं। मोदी के करीबी ज्ञानदेव आहूजा ने जो किया है, वह भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता का जीता–जागता सबूत है। साफ है– भाजपाच दलित विरोधी है और यही इनका असली चाल, चरित्र और चेहरा है। वो तो संविधान की वजह से भाजपा के लोग दलितों को बर्दाश्त कर रहे हैं और इसलिए ये बार–बार संविधान बदलने की बात भी करते हैं। वहीं, राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा ।

संपादकीय

फैसलों से दुनिया की अर्थव्यवस्था

ऐसे वक्त में जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के तुगलकी हिचकौले खा रही है, देश में बढ़ी महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि कोढ़ में खाज जैसी ही है। निस्संदेह, सरकार का कोई भी फैसला देश के व्यापक व दूरगामी लक्ष्यों को लेकर होता है। वैसे भी पेट्रोलियम पदार्थों पर लगने वाले विभिन्न कर केंद्र व राज्य सरकारों की आर्थिकी के लिये प्राणवायु जैसे होते हैं। लेकिन सरकारों को राजस्व जुटाने के लिये वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। उन मदों में समय–समय पर वृद्धि करना, जो पहले से ही लोगों पर भार डाल रहे हों, सुशासन की दृष्टि से तर्कसंगत नजर नहीं आता। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल–डीजल व रसोई गैस की कीमतें लोगों का बजट बिगाड़ रही हैं। सरकार के तमाम मौद्रिक उपाय महंगाई पर काबू पाने में सफल नहीं हो सके हैं। कोरोना संकट के बाद आम आदमी की आय में अपेक्षित वृद्धि भी नहीं हो पायी है। इससे जीवन–यापन कठिन होता जा रहा है। ये तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान तेल का खेल होता रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर उत्पाद शुल्क में कमी की थी। हाल में फिर उसमें वृद्धि कर दी गई है। वैसे तो सरकार को भी पता है कि पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की एक शृंखला पैदा होती है। लेकिन लगता है कि टैरिफ युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ाकर करना चाहती है। यूं तो हम अपने प्रत्यक्ष लाभ–हानि को दृष्टिगत रखते हैं, जबकि सरकार को व्यापक दृष्टिकोण के साथ दूरगामी फैसले लेने होते हैं। वैसे नागरिकों के हित राष्ट्रहित से अलग नहीं हो सकते। लेकिन फिर भी ऐसे फैसले लेते वक्त संवेदनशील दृष्टि अपनाना जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष केंद्र सरकार के फैसले को एक अवसर के रूप में देखकर हमलावर हुआ है। उसकी दलील है कि केंद्र का पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्यवृद्धि का फैसला तार्किक नहीं है। ऐसे वक्त में जब अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, तो इस मूल्य वृद्धि का क्या औचित्य है। यह भी कि सरकार जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का बोझ जनता के कंधे पर डाल देती है, तो कीमतें घटने का लाभ भी तो उसे मिले। सरकार की दलील है कि पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाया तो है लेकिन बोझ जनता पर नहीं पड़ेगा। सरकार के अनुसार पेट्रोल–डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। मगर लोगों की चिंता है कि देर–सवेर सरकार पेट्रोल–डीजल के दामों में पिछले दरवाजे से वृद्धि कर सकती है। तेल कंपनियां भी कब तक बढ़े उत्पाद शुल्क वहन करेंगी। वैसे भी सरकारें अपने बजट को संतुलित करने के लिये गाहे–बगाहे पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बदलाव करती रही हैं। हालांकि, सरकार को पता है कि तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की नई शृंखला पैदा हो जाती है। माल–भाड़े में वृद्धि से दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो जाती है। डीजल के दामों से वृद्धि से खेती की लागत बढ़ती है, जिससे अनाज की महंगाई बढ़ती है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र भी इस वृद्धि से प्रभावित होता है। लेकिन लगता है कि महंगाई की तुलना में टैरिफ प्रभावों को संतुलित करना सरकार की पहली प्राथमिकता है।

क्रिकेट से बड़ा बेचने और कमाने का खेल

प्रदीप

ये मेरे भ्रमित मन द्वारा किए गए स्वीकारोक्तिपूर्ण उदघ्गार हैं, जिसकी वजह है भ्रम के समुद्र में गोते लगा रहा भटका मन, जो अपने आप में एक क्रिकेट लीग को समझने की कोशिश कर रहा है, वह जिसकी दुनिया दीवानी है। मेरी इंद्रियों पर यह हमला अंतहीन है। जब बिल्ली के पंजे जैसी नफासत न होकर क्रूर ताकत से लगाए चौकों–छक्कों की बौछार होते देखता हूं, तो दिमाग चकरा जाता है, प्रतिक्रिया करने में असमर्थ हो जाता है। एकरसता की धुंध छा जाती है। यदि आपने स्टेडियम में कोई मैच देखा है, तो यह सब स्वयं महसूस किया होगा। तो क्या मैं बूढ़ा हो चला हूं? क्या मैंने वह संवेदी बोध खो दिया है, वह जिससे दिल की धड़कन तेज और रंगों में उत्तेजना दौड़ने लगती है। वह खुमार जो शरीर और मन को जश्न मनाने वाली भीड़ में एक होने को उकसाता है? बेवकूफ, बेवकूफ, बेवकूफ३ मेरे कानों में अक्सर गूंजता है। मैं चौंक कर उठता हूं और दुखी महसूस करता हूं। धीरे–धीरे समझ में आता है कि ये झिड़कियां मेरे लिए नहीं हैं। ये शब्द टीवी पर हर कहीं सुनाई देते हैं, जब आईपीएल के मैच मैदान पर और स्क्रीन के सामने डटे दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रहे होते हैं। ये प्रसिद्ध शब्द किसने कहे थे! मन मोहने वाले ऋषभ पंत ने या महान सुनील गावस्कर ने? करोड़ों लोग हर शाम लगातार तीन बार ये शब्द चिल्लाते हुए पंत का खेल देखते हैं, जबकि गावस्कर, जिन्हें साथी कमेंटेटर प्यार से 'सनी जी' संबोधित करते हैं, उनके रुतबे के अनुरूप अधिमान न देकर उनके साथ धोखा किया जा रहा है। एक ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग प्लेटफॉर्म के लिए किए जा रहे विज्ञापन का दृश्य है कि पंत गावस्कर को उनकी गलती का अहसास कराते हैं, और स्वाभाविक रूप से गावस्कर इस मदद के लिए पंत के आभारी हो रहे हैं। यह विज्ञापन तभी बेहतर समझ में आ सकता है जब आप इन शब्दों के 'क्रिकेटिंग' इतिहास और इन दोनों के साथ इसके संबंध को जानते हों। इसके लिए हाल ही में संपन्न भारत–ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज में लौटना होगा, जब एक टेस्ट मैच में पंत मैच के अत्यंत महत्वपूर्ण चरण में एक भयानक शॉट पर आउट हो गए और ऑस्ट्रेलियाई दर्शकों से बतियाने में लगे 'सनी जी' इतने क्रोधित हो गए कि वे गुस्से में उठ खड़े हुए और पूरी गंभीरता से चिल्लाए रू 'बेवकूफ, बेवकूफ, बेवकूफ'। गावस्कर द्वारा इन कड़े शब्दों में अपनी नाराजगी व्यक्त करने वाला यह सीन वायरल हो गया और अधिकांश भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की नजरों में पंत एक खलनायक बन गए। विडंबना यह है कि लाभ–लोलुप कंपनियों और विज्ञापन की दुनिया के लिए, नाटकबाजी का हर हिस्सा अपना माल बेचने और पैसा कमाने का मौका है। किसी को कोई शिकायत नहीं है, निश्चित रूप से इन दोनों मुख्य पात्रों को तो कतई नहीं! इसलिए, जहां आप अपने पसंदीदा क्रिकेटर को सफेद चमड़े की गेंद को धुनते हुए देखते हैं वहीं पंत और गावस्कर को एक–दूसरे को गले लगाते हुए देखने का यह सुखद दृश्य मुस्कुराने और सहज होने का पल है, इससे पहले कि पूर्व की भांति आप लाइव मैच के एक्शन में फिर से खो जाएं। क्या मैं आवश्यक रूप से रूखा, असभ्य और मतलबी हो रहा हूं या फिर पूरी तरह एक बेवकूफ हूं? मैं पूरी दुनिया की तरह इस बात पर बहस क्यों नहीं पड़ रहा कि अब तक टूर्नामेंट का सबसे बढ़िया खिलाड़ी कौन हैकृ श्रेयस अय्यर, रजत पाटीदार, अश्विनी कुमार, मोहम्मद सिराज, गायकवाड़, निकोलस पूरण, जोस बटलर, साई सुदर्शन, ट्रैविस हेड, नूर अहमद, मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड या कोई और? इस पर भी चर्चा नहीं करता कि भारतीय क्रिकेट के दो मुख्य हीरे, रोहित शर्मा और विराट कोहली ने इतनी धीमी शुरुआत क्यों की और हमारे बहुत प्यारे एमएस धोनी का लीग में क्या भविष्य है? ओह हां, धोनी। क्या कभी भारत या दुनिया ने उनसे अधिक व्यावहारिक, लगभग निर्लिप्त खिलाड़ी देखा है? मुझे लगता नहीं। उनके स्वभाव को उनकी अभूतपूर्व उपलब्धियों के साथ मिलाएं तो आपको टूर्नामेंट की शोभा बढ़ाने वाला एक असली सुपरस्टार मिल जाएगा। तो क्या हुआ अगर वे 43 साल के हैं। उम्र सिर्फ एक संख्या है और धोनी जैसे खिलाड़ियों के लिए, उसकी ऊर्जा प्रशंसकों की फौज की वफादारी और टीम मालिकों के समर्थन से आती है, जिनके लिए खिलाड़ी खेल रहे होते हैं। अगर धोनी का उनके लिए खेलना व्यावसायिक रूप से बेहतर है, तो हम कौन होते हैं शिकायत करने के लिए। आखिरकार, भारत कोई चेन्नई सुपर किंग तो है नहीं और न ही चेन्नई सुपर किंग भारत है। वे राष्ट्र के प्रति जवाबदेह नहीं हैं और न ही राष्ट्र जानना चाहता है। मुझे एक विज्ञापन में उनका अभिनय बहुत भाया, जहां वे उपभोक्ता वस्तु बेचते हुए कहते हैं 'आज भी और कल भी', बहुत प्यारा। यह पूछे जाने पर कि क्या इसका मतलब लगाया जाए कि वे आगे भी खेलते रहेंगे, इस पर रहस्यमय ढंग से मुस्कुराते हैं और जवाब देते हैं, 'मैं उत्पाद के बारे में बात कर रहा हूं, अपने बारे में नहीं'। वे जहां कहीं भी खेलने जाते हैं, चाहे घर पर हो या बाहर, पीले रंग की टी–शर्ट पहने जनसमूह उनकी लोकप्रियता का प्रमाण है। जो उन्माद वे पैदा करते हैं वह व्यक्ति के प्रति दीवानगी भरा है। यह हुजूम भाड़े का नहीं होता और यह इस देश के सबसे शक्तिशाली व्यक्ति के लिए भी ईर्ष्या का बायस हो सकता है। वे पूरी शाम उनकी बारी आने का इंतजार करते हैं। हर विकेट का गिरना, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को छोटा करता है,।

स्मार्ट खेती खोलती किसान के बेहतर भविष्य की राह

डॉ. मनु

भारत को दुनिया में कृषि प्रधान देश के रूप में जाना जाता है। जो खेती से अपनी विशाल आबादी की खाद्य आवश्यकताएं पूरी करता है। लेकिन देश में खेती करने वाले किसानों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट और संसाधनों की सीमित उपलब्धता के चलते कृषि व्यवसाय को समस्याग्रस्त बना दिया है। ऐसे में खेती से जुड़े कार्यों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का इस्तेमाल कृषि क्षेत्र में एक नई क्रांति ला सकते हैं। इन तकनीकों के उपयोग से किसानों को खेती के तरीकों को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, उनकी पैदावार भी बढ़ सकेगी और लागत भी कम होगी। खेती में आईओटी तकनीक की मदद से खेतों में विभिन्न सेंसर लगाए जा सकते हैं, जो पहले बताई गई समस्याओं का समाधान करते हैं। ये सेंसर मिट्टी की नमी, तापमान, पीएच स्तर और पोषक तत्वों (एनपीके) की मात्रा को मापते हैं। सेंसर से प्राप्त रियल–टाइम डेटा एआई मॉडल में जाएगा, जिसके जरिये किसान को जानकारी मिल सकेगी कि मिट्टी की स्थिति कैसी है और फसल को पानी या खाद की जरूरत कब है। इससे किसान फसल की सेहत को बेहतर समझ सकते हैं और समय पर उसे सही पोषण दे सकते हैं। इसी तरह एआई और आईओटी के जरिए सिंचाई को भी ऑटोमेटेड किया जा सकता है। सेंसर से प्राप्त डेटा के आधार पर तय किया सकता है कि खेत में कब और कितनी मात्रा में पानी देना है। इससे जल की बर्बादी रुकती है और फसल को जरूरत मुताबिक पानी मिलता है। तकनीक के प्रयोग से फसलों में लगने वाले रोगों और कीटों का प्रबंधन अब पहले से आसान हो गया है। पहले किसान तब तक इंतजार करते थे जब तक कि बीमारी पूरी फसल को नुकसान न पहुंचा दे। लेकिन अब एआई आधारित मोबाइल एप जैसे प्लांटिक्स और एग्रीबोट ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। किसान फसल की फोटो अपलोड करते हैं, और ये ऐप तुरंत बीमारी का पता लगाकर उसका इलाज सुझाते हैं। इससे तुरंत समस्या के बारे में जानकारी मिलती है और समय पर इलाज संभव है। एआई और आईओटी तकनीकों की मदद से किसान मिट्टी की गुणवत्ता की जानकारी के आधार पर तय कर सकते हैं कि कौनसी फसल लगाना ज्यादा लाभदायक होगा। मशीन लर्निंग मॉडल्स मिट्टी के पोषक तत्वों और जलवायु परिस्थितियों के आधार पर किसान को सुझाव दे सकते हैं कि कौन–सी फसल लगाने से उत्पादन अधिक होगा और कौन–सी फसल से मुनाफा ज्यादा होगा। एआई की मदद से मौसम की भविष्यवाणी भी की जा सकती है। इससे किसान पता लगा सकेंगे कि कब बारिश होगी, कब सूखा पड़ सकता है या कब ठंड पड़ेगी। इस जानकारी के आधार पर फसल की बुआई, कटाई और सिंचाई का सही समय तय कर सकते हैं। मौसम के सटीक पूर्वानुमान के चलते किसान प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम कर सकते हैं। आजकल कृषि में ड्रोन तकनीक का भी उपयोग बढ़ रहा है। ड्रोन की मदद से खेतों की निगरानी की जा सकती है। एआई–आधारित इमेज प्रोसेसिंग तकनीक का उपयोग कर किसान जान सकते हैं कि किस हिस्से में बीमारी फैली है या किन क्षेत्रों में अधिक खाद–पानी आदि चाहिये। ड्रोन का उपयोग कीटनाशकों और उर्वरकों के छिड़काव के लिए भी किया जा सकता है, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत होती है। एआई और आईओटी तकनीकों को कृषि में सफलतापूर्वक लागू करने के लिए सरकार और निजी कंपनियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। पीएम–किसान योजना के तहत किसानों को वित्तीय सहायता दी जा रही है।

.... विविध ....

60 की उम्र के बाद डाइट में शामिल करें ये 5 सुपरफूड्स, हड्डियां बनेंगी मजबूत और दिल रहेगा स्वस्थ

आजकल की तेज रफ्तार जिंदगी और बदलती लाइफस्टाइल के कारण 60 साल की उम्र के बाद सेहत बनाए रखना मुश्किल हो सकता है। बढ़ती उम्र के साथ शरीर की जरूरतें बदल जाती हैं, और इसलिए सही डाइट ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। गलत खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से 30–40 साल की उम्र में ही डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, और मोटापे जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं, जो 60 की उम्र तक और भी बढ़ जाती हैं। इस समय हड्डियों और मांसपेशियों की मजबूती, दिल की सेहत, पाचन और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सही पोषण की बहुत जरूरत होती है। आइए जानें, 60 साल के बाद कौन से सुपरफूड्स डाइट में शामिल किए जाएं, जो आपकी सेहत को फायदा पहुंचा सकते हैं।

डेयरी प्रोडक्ट्स

डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे दूध, दही, और पनीर कैल्शियम और प्रोटीन के अच्छे स्रोत होते हैं, जो हड्डियों और मांसपेशियों को मजबूत बनाए रखते हैं। 60 साल की उम्र के बाद हड्डियों को मजबूत रखने के लिए डेयरी प्रोडक्ट्स को अपनी डाइट में शामिल करना जरूरी है।

ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपूर सैल्मन मछली

सैल्मन मछली ओमेगा–3 फैटी एसिड का एक बेहतरीन स्रोत है, जो दिल की सेहत को बनाए रखने में मदद करता है। यह रक्तचाप को नियंत्रित करने, दिल की धड़कन को नियमित रखने और सूजन को कम करने में सहायक है। सैल्मन मछली में प्रोटीन और विटामिन डी भी होता है, जो हड्डियों की मजबूती के लिए जरूरी हैं। नियमित रूप से सैल्मन मछली का सेवन दिल की बीमारियों और हड्डियों की समस्याओं से बचाव कर सकता है।

हरी पत्तेदार सब्जियां

60 साल के बाद हरी पत्तेदार सब्जियों को डाइट में शामिल करना जरूरी है। पालक, मेथी और सरसों की पत्तियां आयरन, कैल्शियम और फोलेट से भरपूर होती हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करती हैं। ये सब्जियां मानसिक स्वास्थ्य को भी सुधारने में मदद करती हैं क्योंकि इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। हरी पत्तेदार सब्जियों और सीजनल फलों का नियमित सेवन दिल और हड्डियों दोनों के लिए फायदेमंद है।

बादाम

बादाम में विटामिन ई, मैग्नीशियम और फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, जो दिल की सेहत को बढ़ावा देते हैं। विटामिन ई दिल को स्वस्थ रखने में मदद करता है और मैग्नीशियम हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके अलावा, बादाम के एंटीऑक्सीडेंट्स मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकते हैं। नियमित रूप से बादाम खाने से याददाश्त भी बेहतर हो सकती है।

कीवी

कीवी में विटामिन सी और फाइबर की अच्छी मात्रा होती है। विटामिन सी शरीर में कोलेजन का निर्माण करने में मदद करता है, जो त्वचा को हेल्दी रखने में सहायक है। साथ ही, विटामिन सी इम्यूनिटी को भी बूस्ट करता है। कीवी में मौजूद फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

सूरजमुखी के बीज

सूरजमुखी के बीज विटामिन ई, मैग्नीशियम और अन्य जरूरी पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत होते हैं। ये पोषक तत्व दिल की सेहत और हड्डियों की मजबूती के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। सूरजमुखी के बीजों का नियमित सेवन दिल और हड्डियों दोनों की सेहत में सुधार कर सकता है।

60 साल की उम्र के बाद शरीर की विशेष जरूरतों को ध्यान में रखते हुए पोषण लेना महत्वपूर्ण हो जाता है। इन 5 सुपरफूड्स को अपनी डाइट में शामिल करके आप अपनी हड्डियों, दिल और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बना सकते हैं।

अभी भी वक्तहै संभल जाओ नहीं तो किडनी को खोखला कर देगी आपकी ये 5 गंदी आदतें

यू.के. में अनुमान है कि 10: से अधिक आबादी में क्रोनिक किडनी रोग का कोई न कोई चरण है और 600,000 से अधिक लोग हर साल किसी न किसी रूप में तीव्र किडनी से पीड़ित होते हैं। जब किडनी अचानक ठीक से काम करना बंद कर देती है तो इससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जैसे उच्च रक्तचाप से लेकर हृदय रोग और कमजोर हड्डिया। किडनी की क्षति समय के साथ क्रोनिक किडनी रोग और किडनी फेलियर में बदल सकती है। किडनी की क्षति आपके शरीर के लगभग हर हिस्से को प्रभावित कर सकती है – लेकिन कुछ सरल जीवनशैली परिवर्तन हैं जिन्हें आप आज ही कर सकते हैं ताकि कल आपकी किडनी को नुकसान न पहुंचे। किडनी को नुकसान पहुंचाने वाली 5 संभावित आदतें यहां दी गई हैं।

दर्द निवारक दवाओं का उपयोग करना

इबुप्रोफेन और एस्पिरिन जैसी आम ओवर–द–काउंटर एंटी–इंफ्लेमेटरी दर्द निवारक दवाएं किडनी की नलिकाओं को नुकसान पहुंचा सकती हैं – किडनी में छोटी नलिकाएं जो फिल्टर किए गए पोषक तत्वों और तरल पदार्थों को वापस रक्त में वापस भेजती हैं। गुर्दे की नलिकाओं में बचा हुआ तरल पदार्थ और अपशिष्ट मूत्र बन जाता है – और सूजन और किडनी के माध्यम से रक्त प्रवाह कम हो जाता है। यह वृद्ध लोगों या अन्य चिकित्सा स्थितियों वाले लोगों में होने की अधिक संभावना है। जिन लोगों को पहले से ही क्रोनिक किडनी रोग है, उन्हें इन दर्द निवारक दवाओं से बचना चाहिए जब तक कि उन्हें डॉक्टर द्वारा निर्धारित न किया गया हो जो किडनी के कार्य की निगरानी कर सकते हैं। साइड–इफेक्ट्स के जोखिम को कम करने के लिए, पैकेजिंग पर सुझाई गई खुराक पर कम से कम समय के लिए दर्द निवारक का उपयोग करें।

पर्याप्त पानी न पीना

गुर्दे को अपशिष्ट निकालने के लिए पानी की आवश्यकता होती है। जो लोग पर्याप्त पानी नहीं पीते हैं,

वे गुर्दे की क्षति का जोखिम उठा सकते हैं, खासकर गर्म मौसम में। निर्जलीकरण से गाढ़ा मूत्र में खनिजों और अन्य अपशिष्ट उत्पादों का उच्च स्तर होता है – इससे गुर्दे की पथरी और मूत्र संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, जो गुर्दे को नुकसान पहुंचा सकता है। जिगर की बीमारी या दिल की विफलता जैसी स्वास्थ्य स्थितियों वाले कुछ लोग प्रतिबंधित तरल पदार्थ ले सकते हैं। लेकिन सामान्य आबादी के लिए, प्रतिदिन 1.5 से 2 लीटर पानी (लगभग छह से आठ कप) पीने की सलाह दी जाती है।

बहुत अधिक शराब पीना

गुर्दे शरीर में पानी को नियंत्रित करते हैं। शराब शरीर को निर्जलित कर सकती है, जिससे गुर्दे के काम करने का तरीका बदल जाता है। बहुत अधिक शराब पीने से रक्तचाप भी बढ़ सकता है, जो गुर्दे को नुकसान पहुंचाता है। अधिकांश लोग जानते हैं कि शराब यकृत रोग में योगदान दे सकती है, लेकिन यह बदले में गुर्दे को नुकसान पहुंचा सकती है क्योंकि इसका मतलब है कि उन्हें अधिक मेहनत करनी होगी। एनएचएस पुरुषों और महिलाओं को प्रति सप्ताह 14 से अधिक शराब इकाइयों (आदर्श रूप से सप्ताह भर में कुछ शराब–मुक्त दिनों के साथ) पीने की सलाह देता है। यह प्रतिदिन एक मानक ग्लास वाइन (दो यूनिट) या एक पिंट कम–ताकत वाली बीयर (दो यूनिट) के बराबर है।

धूम्रपान

अधिकांश लोग जानते हैं कि धूम्रपान कैंसर और हृदय रोग में योगदान दे सकता है। लेकिन धूम्रपान कई तंत्रों के माध्यम से सीधे गुर्दे को नुकसान पहुंचा सकता है। सिगरेट के धुएं में कैडमियम जैसे जहरीले रसायन होते हैं जो गुर्दे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। धूम्रपान अन्य स्थितियों के जोखिम को भी बढ़ाता है जो गुर्दे को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिसमें मधुमेह और उच्च रक्तचाप शामिल हैं। धूम्रपान का कोई सुरक्षित स्तर नहीं है, इसलिए स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर से सहायता लेकर इसे छोड़ना सबसे अच्छा है।

अधिक वजन होना

एक स्वस्थ बॉडी मास इंडेक्स 18.5 और 24.9 के बीच होता है। इससे अधिक कुछ भी अधिक वजन या मोटापे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। हालांकि, यह अधिक वजन होने का एकमात्र उपाय नहीं है – और कभी–कभी गलत भी होता है। कमर की परिधि मध्य भाग (केंद्रीय मोटापा) के आसपास की चर्बी का एक अच्छा माप है, जो हृदय रोग और मधुमेह के जोखिम को बढ़ाता है – जो किडनी रोग के दो सामान्य कारण हैं। मोटापा वसा ऊतक रसायनों को बाधित करके सीधे किडनी को नुकसान पहुंचा सकता है। व्यायाम के साथ स्वस्थ आहार लेने से वजन कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे आपकी किडनी स्वस्थ रहती है।

शारीरिक गतिविधि से किडनी रोग का जोखिम होता है कम

कुछ शोधों में पाया गया है कि शारीरिक गतिविधि किडनी रोग के जोखिम को कम करती है – सप्ताह में पांच दिन 30 मिनट एरोबिक व्यायाम करने का लक्ष्य रखें, लेकिन इसे धीरे–धीरे बढ़ाएं। कम स्वस्थ भोजन विकल्प बनाना अल्ट्रा–प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ निर्मित खाद्य पदार्थ हैं जिनमें वसा, शर्करा, नमक और कृत्रिम रंग, स्वाद और परिरक्षक जैसे तत्व होते हैं जो उन्हें बेहतर स्वाद देते हैं और उनके शेल्फ जीवन को बढ़ाते हैं। के उदाहरणों में सॉसेज, कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक और पैकेज्ड ब्रेड जैसे मांस शामिल हैं।

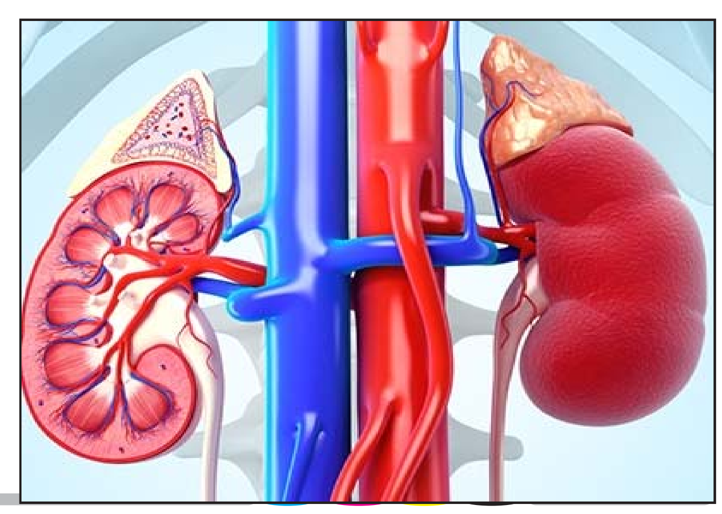

अप्रैल के अंत तक पूरा हो जाएगा राम मंदिर का निर्माण, परिसर में स्थापित होंगी 18 मूर्तियां

लखनऊ, (संवाददाता)। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि राम मंदिर का निर्माण कार्य अप्रैल के अंत तक पूरा हो जाएगा। रामजन्मभूमि परिसर में काम कर रही सभी क्रेन हटा दी जाएंगी। इसके बाद परकोटा के उत्तर व पूर्व दिशा में जो काम छोड़ दिया गया है, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राम दरबार की मूर्ति अक्षय तृतीया पर मंदिर में स्थापित कर दी जाएगी। परिसर में स्थापित होने वाली सभी मूर्तियां अप्रैल के अंत तक आयोध्या पहुंच जाएंगी। जून में अच्छा मुहूर्त देखकर सभी मूर्तियों की एक साथ प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। परिसर में कुल 18 मूर्तियां स्थापित होंगी। परिसर में बन रहे चार द्वारों के नामकरण पर विचार किया जा रहा है। इसमें भारत की आध्यात्मिक एकात्मता के दर्शन होंगे।

पूर्वांचल में आज छाए रहेंगे बादल, पश्चिम के इन 17 जिलों में लू का अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रचंड गर्मी के बीच यूपी में मौसम दो रंग दिखा रहा है। कई जिलों में बादल और बारिश की संभावना है तो कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को प्रदेश के विभिन्न इलाकों में पूर्वा हवाएं चलीं और तराई के कुछ इलाकों में बादलों की आवाजाही रही। बुधवार के लिए मौसम विभाग ने पश्चिमी यूपी के लगभग 17 जिलों में लू की चेतावनी जारी किया है और पूर्वी–तराई हिस्सों में बूंदाबांदी के आसार जताए हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक यूपी के पूर्वी–तराई इलाकों महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, गोरखपुर, बस्ती आदि में गरज–चमक संग बूंदाबांदी के संकेत हैं। कहीं–कहीं वज्रपात के भी आसार हैं। सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के असर से अगले तीन से चार दिन प्रदेश के विभिन्न इलाकों में छिटपुट बूंदाबांदी देखने

को मिल सकती है। वहीं तात्कालिक तौर पर पारे में 2 से 4 डिग्री की गिरावट की संभावना है। बीते कुछ दिनों से दिल्ली एनसीआर क्षेत्र के जिलों, बुंदेलखंड और यूपी के दक्षिण पूर्वी जिलों में लोगों को झुलसाने वाली गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार को आगरा, झांसी समेत कई जिलों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया। वहीं प्रयागराज, हमीरपुर, कानपुर, मुजफ्फरनगर आदि जिलों में तापमान सामान्य से अधिक रहा और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। रात के पारे में भी बढ़ोतरी आई। गाजियाबाद, हापुड, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, इटावा, औरैया, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर व आसपास के इलाकों में। राजधानी में मंगलवार को तीखी धूप के साथ उमस भरी गर्मी ने परेशान किया। इसकी वजह पूर्वा हवाएं रहीं। दिन के पारे में 1.2 डिग्री की गिरावट रही, लेकिन पुरवाई चलने से उमस भरी गर्मी रही। वहीं, रात के पारे में अप्रत्याशित रूप से 6.1 डिग्री के उछाल से हवा में गर्माहट महसूस की गई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बुधवार को बादलों की आवाजाही रहेगी और पारे में हल्की गिरावट के आसार हैं। विक्षोभ व पुरवाई के असर से बाराबंकी में बूंदाबांदी हो सकती है। मंगलवार को दिन का तापमान 1.2 डिग्री की गिरावट के साथ 38 डिग्री दर्ज हुआ।

आईएएस विजय किरन आनंद इन्वेस्ट यूपी के नए सीईओ बने, अपर निदेशक राज राजकुमार प्रतीक्षारत

लखनऊ, (संवाददाता)। आईएएस विजय किरन आनंद को इन्वेस्ट यूपी का नया मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया गया है। वहीं, पंचायतीराज विभाग में अपर निदेशक रहे आईएएस राजकुमार को प्रतीक्षारत किया गया है। बता दें कि भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते आईएएस अभिषेक प्रकाश को सीईओ के पद से हटा दिया गया था तब से यह पद खाली था। यूपी सरकार प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन इकॉनमी बनाने के लिए निवेश और अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रयासरत है। ऐसे में भ्रष्टाचार की शिकायत आने पर अभिषेक प्रकाश को निलंबित कर दिया गया। वहीं, आईएएस अभिषेक प्रकाश के खिलाफ विजिलेंस ने गोपनीय जांच शुरू कर दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वसूली के आरोप के बाद अभिषेक प्रकाश की सभी चल–अचल संपत्तियों की जांच का आदेश दिया था, जिसके बाद नियुक्ति विभाग ने गृह विभाग को पत्र लिखा था। गृह विभाग ने परीक्षण के बाद विजिलेंस को जांच शुरू करने का निर्देश दिया था।

सूत्रों की मानें तो वर्ष 2006 बैच के आईएएस अभिषेक प्रकाश के तकरीबन पूरे कार्यकाल की विजिलेंस द्वारा जांच की जाएगी। इंवेस्ट यूपी में तैनाती से पूर्व वह लखीमपुर खीरी, बरेली, हमीरपुर, लखनऊ, अलीगढ़ के डीएम रह चुके हैं। वह लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष के पद पर भी तैनात रहे हैं। लखीमपुर और बरेली में डीएम रहने के दौरान कई बीघा कृषि योग्य भूमि खरीदने के आरोपों की बीते दिनों जांच भी कराई गई थी, हालांकि यह भूमि उनके करीबी परिजनों के नाम पर खरीदे जाने की वजह से उन्हें क्लीन चिट दे दी गई थी। अब विजिलेंस उनकी और उनके करीबी परिजनों के नाम पर खरीदी गई सभी चल–अचल संपत्तियों का ब्योरा जुटाएगा। साथ ही, यह पड़ताल भी करेगा कि पूरे कार्यकाल के दौरान कुल वैध आय कितनी रही और उन्होंने चल–अचल संपत्तियों को खरीदने और भरण–पोषण पर कितना व्यय किया। विजिलेंस गोपनीय जांच पूरी करने के बाद अभिषेक प्रकाश का स्पष्टीकरण लेगा और अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेगा। जांच में आरोपों की पुष्टि होने पर विजिलेंस शासन के निर्देश पर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर विवेचना करेगा।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे, कामकाज ठप

लखनऊ, (संवाददाता)। पावर कारपोरेशन के पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्काम के निजीकरण के विरोध में बुधवार प्रदेश भर से आए बिजली कर्मियों ने लखनऊ में फील्ड हॉस्टल में धरना देकर प्रदर्शन किया। यह कर्मचारी फील्ड हॉस्टल से शक्ति भवन तक रैली निकालकर पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन से निजीकरण को निरस्त करने की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के मीडिया संयोजक शैलेंद्र दुबे ने बताया कि इस रैली में प्रदेश भर से अभियंता और कर्मचारी लखनऊ में निजीकरण का विरोध करके उसके प्रस्ताव को निरस्त करने आए हैं। कर्मचारियों के इस प्रदर्शन को संबोधित करने के लिए कई प्रदेशों से बिजली कर्मी नेता भी आए, जिन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की इस कार्रवाई पर बहुत नाराजगी जताते हुए पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्काउंट को कॉर्पोरेशन की अधीन रखने की आवाज उठाई। उधर दूसरी तरफ प्रशासन ने भी प्रदर्शनकारी बिजली कर्मियों को शक्ति भवन तक न पहुंचने के लिए जगह–जगह वेरीकटिंग करके काफी फोर्स को मुस्तैद किया है। इससे अंदेशा है की रैली निकलने के दौरान दोनों के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कामकाज ठप रू बिजली कर्मियों की रैली के चलते बुधवार को लखनऊ समेत प्रदेश के अधिकतर कार्यालय और उपकेद्रों पर विभागीय कामकाज पूरी तरह ठप है। इसकी वजह लाइन पर काम करने वाले कर्मचारियों से लेकर कार्यालय के अभियंता सभी रैली में शिरकत करने पहुंचे हैं।

संक्षिप्त समाचार

शिक्षा, सुरक्षा और भोजन की मिल रही गारंटी - रजनी

लखनऊ, (संवाददाता)। लविवि में राजनीति शास्त्र विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से राज्य, समाज और राष्ट्र के बीच अंर्तसंबंध रू भारतीय परिपेक्ष्य विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन मंगलवार को हुआ। समापन सत्र में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी रहीं। उन्होंने कहा, सरकार की योजना अंत्योदय से सर्वोदय की है। इससे आम व्यक्ति को भी शिक्षा, सुरक्षा और भोजन की गारंटी मिल रही है। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, विभागाध्यक्ष प्रोफेसर संजय गुप्ता, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. कमल कुमार, प्रो. कविराज, डॉ. अमित कुशवाहा समेत कई अन्य उपस्थित रहे।

लविवि भी समर्थ पोर्टल से करेगा दाखिले, तैयारी पूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विवि शैक्षणिक सत्र 2025–26 में सभी कोर्सों के दाखिले समर्थ पोर्टल से करेगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। प्रवेश विभाग स्नातक और परास्नातक स्तर के कोर्स में आवेदन के लिए के लिए जल्द ही अधिसूचना जारी कर सकता है। यह पहली बार होगा कि विवि किसी एकीकृत पोर्टल से दाखिले लेगा। लखनऊ विवि अभी तक सभी पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन लेकर मेरिट के आधार पर विद्यार्थियों को दाखिला देता था। अब शासन के आदेश पर इस बार सभी प्रवेश समर्थ पोर्टल के माध्यम होंगे। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि अभ्यर्थी समर्थ पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगे। शीघ्र ही वेबसाइट पर निर्देश जारी किए जाएंगे। सभी प्रवेश लखनऊ विवि पंजीकरण संख्या (एलयूआरएन) के बाद ही होंगे। बीते दिनों कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने विवि के सभी डीन, विभागाध्यक्ष, निदेशक और समन्वयकों को पत्र जारी कर आवेदन पत्र के प्रारूप के संबंध में सुझाव मांगे थे। सुझाव मिलने के बाद विचार के लिए प्रवेश समिति को भेजते हुए आगे की प्रक्रिया शुरू की गई थी। लखनऊ विवि वर्तमान प्रवेश व्यवस्था में स्नातक और परास्नातक के कोर्स में आवेदन के लिए 800 से लेकर 1600 रुपये फॉर्म शुल्क वसूलता है, जबकि पीएचडी के लिए फॉर्म की फीस दो हजार रुपये है। वहीं, समर्थ पोर्टल पर विद्यार्थियों को फॉर्म की फीस में छूट मिलने की गुंजाइश कम है। इस पर विवि प्रशासन का तर्क है कि विवि को सरकार से पर्याप्त मात्रा में आर्थिक सहायता नहीं मिलती। ऐसे में आवेदन फॉर्म की फीस घटाने की संभावना कम है।

पीएचडी कोर्स वर्क पूरा, परीक्षा का इंतजार

लखनऊ, (संवाददाता)। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विवि में पीएचडी कोर्स वर्क पूरा हुए दो माह बीतने को हैं, लेकिन अभी तक परीक्षा नहीं कराई जा सकी है। इससे शोधार्थियों का शोध कार्य अटक गया है। परीक्षा की तिथियों के इंतजार में पीएचडी विद्यार्थी परेशान हैं। भाषा विवि में बीते वर्ष मार्च और अप्रैल माह में पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू हुई थी। जुलाई तक दाखिला प्रक्रिया पूरी कर कोर्स वर्क शुरू कर दिया गया। विवि अनुदान आयोग (यूजीसी) के नियमों में शोधार्थी के लिए छह माह का कोर्स अनिवार्य किया गया है। इसके बाद विवि शोधार्थी की परीक्षा कराता है। परीक्षा में पास होने के बाद वह चुने विषय पर शोध कार्य शुरू करता है। ऐसे में विद्यार्थियों की परीक्षा न होने से उनका शोध कार्य पिछड़ने की आशंका है। कुछ विद्यार्थियों ने स्वयं पोर्टल पर कोर्स वर्क विकल्प चुना था, जिससे परीक्षाओं में विलंब हो रहा है। हमारी तैयारी है कि सम सेमेस्टर परीक्षाओं के साथ पीएचडी शोधार्थियों के कोर्स वर्क की परीक्षा करवा ली जाए।

संक्षिप्त समाचार

इंजीनियरिंग के छात्रों को मिली एआई लैब की सौगात

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विवि के इंजीनियरिंग के छात्र अब आधुनिक तकनीक के साथ कदमताल करते दिखेंगे। नवीन परिसर स्थित संकाय में आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) तकनीक से लैस प्रयोगशालाएं बनाई गई हैं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने मंगलवार को इनके उद्घाटन के साथ ही स्वचालित सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइट्स और एप्पल आई मैक प्रयोगशाला का लोकार्पण किया। कुलपति ने कहा, लविवि में आधारभूत संरचना और तकनीकी नवाचार को समान रूप से प्राथमिकता दी जा रही है। इससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शैक्षणिक वातावरण मिल सके। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में स्थापित एआई प्रयोगशाला छात्रों को मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, कंप्यूटर विजन, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग और डाटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान एवं नवाचार की दिशा में सशक्त बनाएगी। एप्पल आई मैक प्रयोगशाला विवि को 'एप्पल ऑथराइज्ड ट्रेनिंग सेंटर फॉर एजुकेशन (एएटीसीई)' के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। मैक सिस्टम, स्विफ्ट, एक्सकोड और एप्पल के डेवलपर टूल्स की सहायता से बीटेक के छात्र नई एप्लीकेशन विकसित करने में सक्षम होंगे। इस मौके पर डीन प्रो. एके सिंह, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव, डॉ. हिमांशु पांडये, प्रो. आरके सिंह, प्रो. बीडी सिंह व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

शादी के डेढ़ माह बाद युवती की गला कसकर हत्या

लखनऊ, (संवाददाता)। सैरपुर के दुग्गौर गांव निवासी उपासना सिंह (27) की सोमवार शाम गला कसकर हत्या की गई थी। इसकी पुष्टि मंगलवार को पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुई। उसके शरीर पर भी चोटों के कई निशान मिले हैं। उपासना के पिता कृष्ण कुमार सिंह ने दामाद सहित ससुराल वालों के खिलाफ सैरपुर थाने में दहेज हत्या का केस दर्ज कराया है। हरदोई के अतरौली निवासी कृष्ण कुमार सिंह के अनुसार 18 फरवरी को उन्होंने बेटी की शादी अभय से की थी। उनका आरोप है कि ससुराल वाले दहेज के लिए उपासना को प्रताड़ित करते थे। वह सोमवार सुबह करीब 12:30 बजे बेटी की ससुराल आए थे। समझा–बुझाकर लौट गए। दोपहर साढ़े तीन बजे उपासना ने बड़ी बहन से फोन पर बात की। बताया कि पापा के जाने के बाद से ससुराल वाले परेशान कर रहे हैं। शाम करीब 5:30 बजे पता चला कि उपासना की मौत हो गई है। उसका शव बख्शी का तालाब स्थित राम सागर मिश्र में रखा है। इंस्पेक्टर मनोज कुमार कोरी ने बताया कि मृतका के पति अभय प्रताप सिंह, जेठ आशीष सिंह, जेठानी सोनम सिंह, ससुर राम करन सिंह और ममिया ससुर संजीव सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कृष्ण कुमार का आरोप है कि अभय प्राइवेट नौकरी करता है और शराब व नशे का आदी है। उसकी हरकतों की जानकारी शादी के बाद पता चली। शराब के लिए अभय बेटी को परेशान करता था। पैसे का दबाव बनाता था।

संदिग्ध हालात में महिला की मौत, अस्पताल में हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। महानगर के हनुमान सेतु के पास रहने वाली शालिनी सोनी (24) की मंगलवार शाम को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मायके वालों ने सिविल अस्पताल में पति पर दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। पुलिस ने समझा–बुझाकर शांत कराया। मृतका की बहन जानकीपुरम विस्तार निवासी संतोष सोनी ने बताया कि शालिनी की शादी 2021 में महानगर स्थित हनुमान सेतु के पास रहने वाले विष्णु सोनी से हुई थी। विष्णु प्राइवेट नौकरी करता है। दोनों की एक बेटी है। संतोष के अनुसार शाम करीब चार बजे सूचना मिली की शालिनी कि तबीयत खराब है।

संघ और सरकार मिलकर तैयार करेंगे 2027 का रोडमैप, निष्क्रिय स्वयंसेवकों को फिर किया जाएगा सक्रिय

लखनऊ, (संवाददाता)। संघ परिवार और सरकार मिलकर विधानसभा चुनाव 2027 का रोडमैप तैयार करेंगे। इसके लिए रोजगार, रिक्त सरकारी पदों पर भर्ती और किसानों–गरीबों से जुड़े मुद्दों पर खास फोकस होगा। इस संबंध में मंगलवार को संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण

गोपाल की मौजूदगी में संघ के आर्थिक समूह के साथ समन्वय बैठक में जनता के फीडबैक के आधार पर सरकार को काम करने का सुझाव दिया गया। निराला नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर में संघ के सभी घटक प्रमुखों और सरकार के कई मंत्रियों की मौजूदगी में बैठक हुई। इस दौरान सहकारिता समेत कई विभागों में भर्ती न होने पर चर्चा हुई। संघ ने सरकार को रोजगार की दिशा में तेजी से काम करने और सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती का सुझाव दिया। किसानों को कर्ज से निजात दिलाने और उनकी समस्याएं सुलझाने पर ध्यान देने को कहा। भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, सहकार भारती, लघु उद्योग भारती समेत कई संगठनों के पदाधिकारी बैठक में शामिल हुए। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, श्रम व सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, उद्योग मंत्री नंद गोपाल नंदी, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान भी मौजूद रहे। मजदूर संघ ने संविदा कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा समेत कई मुद्दे उठाए। भारतीय किसान संघ ने कहा कि किसानों के लिए पहले की तरह आगे भी कर्ज माफी पर विचार किया जाए। मंत्रियों ने समस्याओं व उनके समाधान पर चर्चा की। लोकसभा चुनाव 2024 में स्वयंसेवकों की निष्क्रियता के असर से सचेत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) उनको फिर सक्रिय करेगा। संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने मंगलवार को राजधानी पहुंचकर प्रचारकों व अन्य पदाधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की। उन्होंने पदाधिकारियों को ऐसे स्वयंसेवकों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं, जो अब अलग–थलग हैं। भागवत ने कहा, निष्क्रिय स्वयंसेवकों को सक्रिय करने के लिए पदाधिकारी उनके घर जाकर उनसे संवाद करें। उन्हें कार्यक्रमों में शामिल कराएं। राजधानी पहुंचे संघ प्रमुख सबसे पहले भारती भवन गए। लखीमपुर रवाना होने से पहले उन्होंने संघ के पदाधिकारियों व प्रचारकों से मुलाकात की। कहा, पहले संगठन का काम करने वाले स्वयंसेवकों से समस्या पूछकर निस्तारण कराएं। संघ प्रमुख ने गांवों में शाखाओं के विस्तार पर भी जोर दिया। उन्होंने संघ के स्थापना के शताब्दी वर्ष पर पूरे साल चलने वाले अभियानों व कार्यक्रमों की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा, यह संघ का शताब्दी वर्ष है। साल भर के लिए तय अभियानों को सक्रियता से चलाएं। साथ ही अवध क्षेत्र में संघ की गतिविधियों के बारे में पूछताछ की। डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि पदाधिकारी हर कार्यकर्ता तक पहुंचें। जनमानस में शताब्दी वर्ष के अभियानों के जरिये राष्ट्र के प्रति चेतना का माहौल बनाकर शाखाओं का विस्तार करें। गांवों में शाखाएं बढ़ाएं। शहरों में युवाओं और पेशवरों के अलग–अलग वर्गों को जोड़ें।

प्राचीन मूर्तियों से परिचित होंगे पर्यटक

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती पर राज्य संग्रहालय की ओर से 1090 चौराहे, अंबेडकर पार्क, इमामबाड़ा समेत अन्य प्रमुख चौराहों पर प्रदर्शनी लगाने की तैयारी की जा रही है। इसमें भीमराव अंबेडकर के जीवन दर्पण, ऐतिहासिक धरोहर, मूर्ति व सिक्कों को प्रदर्शित किया जाएगा। संग्रहालय के अफसरों के मुताबिक, विभिन्न अवसरों पर प्रदर्शनी लगाई जाती है। इसी के तहत अंबेडकर जयंती पर राजधानी के प्रमुख चौराहों पर विशेष प्रदर्शनी लगाने की तैयारी है। राज्य संग्रहालय में रखीं कलाकृतियों को पेंटिंग के जरिये प्रदर्शित किया जाएगा। पुरातात्विक सामग्री, सिक्के, लघुचित्र, धातु एवं काष्ठ कलाकृतियां, हाथी दांत व अन्य कलाकृतियां भी इसमें शामिल होंगी। भारतीय मृण्मूर्तिकला, अजंता की चित्रकला, गुप्त काल व पाषाण की मूर्ति, भारतीय स्थापत्य कला व आधुनिक कलाकृतियों का चित्रण किया जाएगा। प्रदर्शनी के जरिये दर्शकों को संग्रहालय के प्रति आकर्षित किया जाएगा। पुरातत्व एवं कला में रुचि रखने वाले दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र होंगे।

अप्रैल के पहले सप्ताह में ही एक लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं खरीद, खेत तक पहुंचे मोबाइल क्रय केंद्र

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश में पहली बार अप्रैल के पहले सप्ताह में ही एक लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं खरीद हुई है। इस वर्ष मोबाइल केंद्र के माध्यम से गांवों में जाकर किसानों से गेहूं खरीदा जा रहा है। अब तक 20409 किसानों से

गेहूं खरीद हो चुकी है। वहीं, 3.56 लाख से अधिक किसानों ने गेहूं बिक्री के लिए पंजीकरण भी करा लिया है। गेहूं खरीद 15 जून तक चलेगी। गेहूं की अच्छी खरीद हो, इसके लिए कटाई के पहले से ही गांव–गांव जाकर किसानों से संपर्क साधा गया और उन्हें सरकारी क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए प्रेरित किया गया। पंजीकरण एवं सत्यापन की व्यवस्था में व्यापक सुधार भी किया गया। खाद्य व रसद विभाग पहली बार मोबाइल क्रय केंद्रों के माध्यम से किसान के खेत तक पहुंचा। एक तरफ कटाई चल रही है तो वहीं गेहूं मौके पर तौला जा रहा है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर अवकाश के दिनों में भी केंद्र खुले हैं, जिससे गेहूं बेचना किसानों के लिए काफी आसान हो गया है। पंजीकृत किसान सत्यापन के बिना 100 क्विंटल तक गेहूं बेच सकता है। सत्यापन के बाद उत्पादन क्षमता के तीन गुना तक गेहूं बेचने की सुविधा है। क्रय केंद्रों पर बैठने और शुद्ध पेयजल आदि की भी समुचित व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि किसानों को 48 घंटे के भीतर भुगतान कर दिया जाए। गेहूं की बिक्री के लिए किसानों को खाद्य व रसद विभाग के पोर्टल बि.नच.हवअ.पद या विभाग के मोबाइल एप यूपी किसान मित्र पर पंजीकरण–नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। विभाग ने किसानों से अनुरोध किया है कि गेहूं को ओसाकर, मिट्टी, कंकड़ और धूल को साफ कर अच्छी तरह से सुखाकर ही क्रय केंद्र पर बिक्री के लिए लेकर आएं। क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद प्रतिदिन सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक हो रही है। दिक्कतों के समाधान के लिए खाद्य व रसद विभाग ने टोल फ्री नंबर 18001800150 जारी किया है। केंद्र सरकार ने गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 2425 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। इस बार सरकार ने 150 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है। खाद्य विभाग समेत आठ क्रय एजेंसियों के ने कुल 5780 क्रय केंद्र स्थापित किए हैं।

सिपाही ने सिर में गोली मारकर की आत्महत्या, वारदात के पहले फोन तोड़ दिया

लखनऊ, (संवाददाता)। पुलिस लाइन में तैनात सिपाही दिनेश कुमार गिरि (36) ने मंगलवार को जनेश्वर मिश्र पार्क के गेट नंबर छह के पास सिर में गोली मारकर जान दे दी। आत्महत्या के पीछे पारिवारिक कलह बताई जा रही है। जान देने से पहले दिनेश ने ईंट से अपना मोबाइल फोन तोड़ डाला था। पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव के पास से लाइसेंसी असलहा बरामद किया गया है। गोरखपुर के सहजनवा स्थित टिकरिया खोर निवासी दिनेश यहां रहीमनगर में परिवार के साथ रहते थे। दिनेश रोज की तरह ड्यूटी पर निकले थे। मंगलवार दोपहर में उनके पास पत्नी का फोन आया। बातचीत के दौरान दोनों में किसी बात पर विवाद हो गया। इसके बाद दिनेश ने मोबाइल फोन तोड़ दिया और फिर लाइसेंसी पिस्टल से सिर में गोली मार ली। दोपहर करीब एक बजे पुलिस को घटना की जानकारी मिली। दिनेश वर्दी में थे। सिर से खून बह रहा था। मामले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई। इसके बाद फोरेंसिक टीम बुलाई गई। पुलिस दिनेश को लोहिया अस्पताल लेकर गई। ईसीजी करने के बाद डॉक्टरों ने दिनेश को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। चौकी प्रभारी जनेश्वर मिश्र प्रमोद सिंह के मुताबिक मंगलवार रात में ही शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजनों ने किसी पर कोई आरोप नहीं लगाया है। दिनेश की शादी वर्ष 2012 में अनीता से हुई थी। बताया जा रहा है ।

रामनगरी अयोध्या में राष्ट्रीय महिला आयोग के साथ देश के सभी प्रांतों की राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष व सदस्यों को हुआ जमावड़ा

अयोध्या अवध विश्वविद्यालय के सभागार में तीन दिवसीय महिला जनप्रतिनिधियों के प्रशिक्षण का हुआ आयोजन, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर का बयान, राज्य महिला आयोग के पास बहुत से अधिकार,इसके माध्यम से अंतिम महिला तक पहुंचकर उन्हें सशक्त किया जा सकता है, राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष ने विवाह पूर्व संवाद केंद्र बनाने की आवश्यकता पर दिया जोर, कहा विवाह उपरांत व्यवधान न हो इसलिए पहले ही उचित काउंसलिंग की जरूरत, विवाह के बाद विवाद ना हो इसलिए पहले ही संवाद से महिलाओं पुरुष को आपस की बातें समझनी चाहिए, महिलाओं द्वारा महिला आयोग को गलत सूचना दी जाने और पुरुषों को प्रताड़ित किए जाने के सवाल पर विजया रहाटकर ने कहा गलत औरतों का समर्थन नहीं करना चाहिए, गलत महिलाओं की गलती की वजह से और महिलाएं भी बदनाम होती हैं।

अमेठी जिले का जवाहर नवोदय विद्यालय बना देश का पहला ISO प्रमाणित नवोदय विद्यालय

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

अमेठी। गौरीगंज में स्थित अमेठी जिले का एकमात्र पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय अब देश का पहला ♈ प्रमाणित जवाहर नवोदय विद्यालय बन गया है। यह प्रमाण पत्र विद्यालय को गुणवत्ता प्रबंधन के लिए

मिला है। ♈ प्रमाणीकरण संस्था की ओर से मुख्य आडिटर रमेश चंद्र राय एवं वरिष्ठ परामर्शदाता रामधन ने विद्यालय के एक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विद्यालय के पुरा–छात्र एवं सत्या माइक्रोफाइनेंस कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विवेक तिवारी की उपस्थिति में ♈ 9001रू2015 प्रमाण पत्र विद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार सिंह एवं उप–प्राचार्य नित्यानंदेश नारायण त्रिपाठी को प्रदान किया। इस अवसर विवेक तिवारी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कि यह मेरा सौभाग्य है कि जिस विद्यालय ने मुझे ढाला, सँवारा, उसे इस तरह की उपलब्धि मिलने का साक्षी बना। प्राचार्य प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि यह विद्यालय के लिए बहुत ही गौरव की बात है। यह उपलब्धि विद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं, शिक्षक–शिक्षिकाओं, शिक्षणेतर कर्मचारियों आदि सभी के सम्मिलित प्रयास से संभव हुआ है। इस अवसर पर वी सी श्रीवास्तव, डॉ दयाराम यादव, एन के मिश्रा, डॉ मानसिंह पटेल, संदीप कुमार गुप्त, निधि तिवारी, रेखा आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

दो महिलाओं समेत पांच बदमाश को किया कोतवाली नगर पुलिस ने गिरफ्तार

अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राज करन नैय्यर के निर्देश पर जिले में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए एक अभियान चलाया जा रहा है।उसी कड़ी में सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडेय ने अपराध पर अंकुश लगाने के लिए नगर क्षेत्र के सभी चौकी प्रभारी को सख्त निर्देश दिए थे।जिसके चलते कोतवाली नगर पुलिस ने अपराधिक घटनाओं में शामिल एक ही गिरोह के दो महिलाओं समेत पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया।पुलिस अब तक इस गिरोह के 17 सदस्यों को गिरफ्तार कर चुकी है।सिविल लाइन चौकी इंचार्ज अमित कुमार की टीम ने पोस्टमार्टम हाउस के पास पानी की टंकी के पंप हाउस की बाउंड्री के नीचे स्थित मैदान में छिपे पांच बदमाशों को दबोचा है। कोतवाली नगर के प्रभारी अश्वनी कुमार पांडेय ने बताया कि इस गिरोह में शामिल आरोपियों का मुख्य कार्य छिनैती करना,पहले मकानों के बारे में रेकी कर उसके बाद लूट की योजना बनाना तथा लूट जैसी आपराधिक घटनाओं को करना पेशा बन गया था।बताया कि इस गिरोह में शामिल अपराधियों को पकड़ने के लिए अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कलयुगी मामा ने किया युवती के साथ दुष्कर्म,पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मवई थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्ते के मामा ने भरोसे को शर्मसार कर दिया।खेत में व्यस्त पति ने अपनी बीमार पत्नी को दवा दिलाने के लिए मामा के साथ अस्पताल भेजा था।आरोप के मुताबिक लौटते समय रास्ते में आरोपी ने महिला के साथ दुष्कर्म किया।मालूम हो कि पीड़िता तीन बच्चों की मां है।उसकी तबीयत खराब होने पर उसका पति,जो कि खेत में गेहूं की कटाई में जुटा था, ने दूर के रिश्ते में मामा लगने वाले व्यक्ति से महिला को दवा दिलाने के लिए कहा।डॉक्टर को दिखाने के बाद जब दोनों लौट रहे थे, तभी रास्ते में आरोपी की नीयत बिगड़ गई।उसने बाइक रोककर महिला को जबरन एकांत स्थान पर ले जाकर दुष्कर्म किया और फिर उसे घर छोड़कर फरार हो गया।घटना से आहत महिला ने घर पहुंचते ही पति और परिजनों को पूरी बात बताई।इसके बाद पति महिला को लेकर मवई थाने पहुंचा और आरोपी के खिलाफ तहरीर दी।इस संबंध थानाध्यक्ष संदीप त्रिपाठी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर ग्राम फरीदपुर निवासी भैरो प्रसाद गुप्ता के विरुद्ध दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

चर्चा मे रहे अभिषेक सिंह फिर बनाए गए सोहावल के एसडीएम

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।आखिरकार सोहावल तहसील में अभिषेक सिंह की एसडीएम पद पर फिर से वापसी हो गई है। कुछ दिन पहले सेना के शहीद के पुत्र की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद अभिषेक विवाद में आए थे। अभिषेक सिंह पर शहीद के पुत्र शिवम यादव का सिर मुंडवाने का आरोप लगाया गया था।डीएम चन्द्र विजय सिंह के आदेश पर इस घटना की मजिस्ट्रेटी जांच भी की गई थी।इसी कड़ी में अभी तक एसडीएम बीकापुर की जिम्मेदारी निभा रहे प्रशिक्षु आईएएस ध्रुव खाडिया को सदर तहसील का एसडीएम बनाया गया है।एसडीएम सदर रहे विकास धर दुबे अब एसडीएम बीकापुर होंगे।पहले मिल्कीपुर और बाद में सोहावल के एसडीएम बनाए गए राजीव रत्न सिंह को एसडीएम रुदौली बनाया गया है।डीएम चंद्र विजय सिंह ने बुधवार को यह आदेश जारी किया। शहीद के बेटे की सड़क हादसे में मौत के बाद समाजवादी पार्टी ने इसे बड़ा मुद्दा बना लिया था। रामपथ को जाम कर धरना प्रदर्शन किया गया था। इसमें खुद समाजवादी पार्टी के सांसद और राष्ट्रीय महासचिव अवधेश प्रसाद और पूर्व मंत्री पवन पांडेय समेत बड़ी संख्या में सपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए थे। देर रात तक जिला अस्पताल के सामने हंगामा किया गया था। प्रशासनिक सूत्रों ने बताया कि मजिस्ट्रेटी जांच में एसडीएम पर लगाए गए आरोप साबित न होने पर डीएम ने उन्हें फिर से सोहावल की जिम्मेदारी सौंप दी है।

वंचित महिलाओं पर दिया जाये विशेष ध्यान - विजया रहाटकर

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।राष्ट्रीय महिला आयोग विजया रहाटकर द्वारा राज्य महिला आयोगों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य एवं सदस्य सचिवों के लिए तीन दिवसीय क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन गुरुवार को हुआ।बताते चले कि यह कार्यक्रम 8 से 10 अप्रैल तक आयोजित किया गया था।जिसका उद्देश्य राज्य महिला आयोगों की कार्यक्षमता को सुदृढ़ करना था।जिससे वे जमीनी स्तर पर महिला केंद्रित मुद्दों के समाधान में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें।इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों से सौ से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।इस मौके पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने समापन सत्र में भाग लेकर प्रतिभागियों से संवाद करते हुए सभी राज्यों को एक साथ काम करने के लिए प्रेरित किया।तीन दिन तक चले इस कार्यक्रम में विजया रहाटकर ने राज्य महिला आयोगों की भूमिका को और अधिक प्रभावशाली बनाने पर बल दिया।उन्होंने सभी राज्य महिला आयोगों के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्हें उचित मार्गदर्शन प्रदान किया।साथ ही विजया रहाटकर ने राज्य महिला आयोगों से कहा कि प्रत्येक महिला का सशक्तिकरण, उसका संवर्धन ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए।तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर भी महत्वपूर्ण सत्र आयोजित हुआ।जिसमें कार्यस्थलों पर उत्पीड़न की रोकथाम और निवारण के लिए संस्थागत तंत्र को सशक्त बनाने पर जोर दिया गया।वही डिजिटल युग की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, साइबर सुरक्षा पर भी एक सत्र आयोजित किया गया।जिससे राज्य महिला आयोगों के सभी प्रतिभागी ऑनलाइन खतरों को समझ सकें और महिलाओं को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखने के उपाय जान सकें।इस कार्यक्रम के अन्तर्गत केस हैंडलिंग और सुनवाई की प्रक्रिया पर भी प्रशिक्षण दिया गया।जिसमें कानूनी ढांचा, सुनवाई के दौरान अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रक्रियाएं, दस्तावेजीकरण और रिपोर्टिंग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं।इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राज्यों से आई प्रतिभागियों ने राम मन्दिर में दर्शन किए तथा आयोग द्वारा उनके लिए एक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन भी किया गया।निकट भविष्य में राष्ट्रीय महिला आयोग इस तरह के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन देश भर में आयोजित करेगा क्योंकि एक स्वस्थ महिला ही सशक्त भारत की नींव रख सकती है।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य महिला आयोगों को सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग की व्यापक पहल का हिस्सा है।जिसका उददेश्य उचित प्रशिक्षण।अंतर–राज्यीय सहयोग और निरंतर क्षमता विकास को बढ़ावा देना है।इस मौके पर जिला प्रोवेशन अधिकारी अश्वनी तिवारी मौजूद रहे।

होमियोपैथीक के जनक सैनुअल हौनिमन का जन्मदिन धूम धाम से मनाया गया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर विश्व होम्योपैथिक दिवस डा सैनुअल हौनिमन के जन्म दिवस के अवसर पर डा राम नारायण सिंह के आवास पर समारोह का आयोजन किया गया। डा बी बी नवाब सिह व मुख्य अतिथि डा० शलेन्द्रसिंह एवं विशिष्ट अतिथि डॉ ब्रह्मदेव प पाण्डेष के द्वारा डॉक्टर हैनिमेन के मुर्ति पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलित करके के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया उपस्थित सभी चिकित्सकों ने मूर्ति पर मात्मार्पण कर कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। उपस्थित सभी चिकित्सकों ने मूर्ति पर माल्यार्पण भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर बीबी सिंह नवाब

और डॉ शैलेश कुमार सिंह द्वारा हैनिमेन के जीवन पर प्रकाश डाला गया तथा होम्योपैथिक चिकित्सा की उपलब्धियां के बारे में डॉक्टर के द्वारा बताया गया। इस मौके पर कार्यक्रम में उपस्थित रहे डा बीबी सिंह नवाब, डॉक्टर शैलेंद्र सिंह, डॉ ब्रह्मा देव पांडेय, डॉ बृजेश कुमार सिंह, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ तुषार सिंह,डॉक्टर हर्षित सिंह डॉक्टर अभय राज यादव, डॉ संपूर्णानंद अस्थान, डॉ सुधीर सिंह, डॉ संजय कुमार यादव, डॉ आशुतोष सिंह, डॉ विजय कुमार यादव व डॉ बीडी शर्मा सहित डॉक्टर मौजूद रहे।

गर्मी व लू से जनमानस को फौरी तौर पर राहात मिलने की उम्मीद, तेज हवाओं के साथ धूल भरी आधी चलने से आम जन जीवन अस्त व्यस्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गर्मी व लू से जनमानस को फौरी तौर पर राहात मिलने की उम्मीद है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण बंगाल की खाड़ी से आ रही नम हवाओं व स्थानीय स्तर पर नमीयुक्त हवा के टकराने के कारण शुक्रवार को तेज हवाओं के साथ तेज आंधी ने पूरे जनपद को अपने आगोश में लिया कहीं कहीं हल्की बारिश भी हुई। इससे उमस व तापमान में कमी आएगी। तापमान बढ़ने से अप्रैल में ही मई–जून जैसी गर्मी का एहसास हो रहा है। सूरज की किरणें आग उगल रही हैं। पिछले कई दिन से अधिकतम तापमान 38 डिग्री के आसपास व न्यूनतम तापमान 28 डिग्री के आस–पास रह रहा है। तीखी धूप व उमसभरी गर्मी के चलते लोग कई दिनों से परेशान थे लेकिन आज आए आधी और हालांकि बूंदाबादी के बाद लोगों ने राहत की सास लिया है।आसमान में बादल, छाए हुए हैं हल्की बारिश की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। हालांकि आंधी और हल्की बारिश होने से किसानों की समस्या बढ़ी है खेतों में काट कर रखी गेहूं की फसलों को नुकसान पहुंचा है।

एसकेडी एकेडमी एवं श्री कृष्ण दत्त एकेडमी डिग्री कॉलेज में महावीर जयंती एवं विश्व होम्योपैथी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी एवं श्री कृष्ण दत्त एकेडमी डिग्री कॉलेज में महावीर जयंती एवं विश्व होम्योपैथी दिवस का आयोजन श्रद्धा, उत्साह एवं शैक्षिक जोश के साथ किया गया। इस आयोजन में एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के निदेशक मनीष सिंह के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त हुए, जिनकी दूरदर्शिता निरंतर संस्थानों में मूल्यपरक एवं समग्र शिक्षा को प्रेरित करती रही है। इस अवसर पर निशा सिंह, उप निदेशिका तथा कुसुम बत्रा, सहायक निदेशिका (शैक्षणिक) भी उपस्थित रहीं, जिनके सतत सहयोग एवं नेतृत्व से संस्थान में एक जीवंत एवं समावेशी शैक्षिक वातावरण का निर्माण हुआ है। एसकेडी एकेडमी में आयोजित कार्यक्रम में भगवान महावीर की शाश्वत शिक्षाओं दृ अहिंसा, सत्य एवं करुणा दृ को केंद्र में रखा गया। छात्रों ने भाषणों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों एवं

विशेष प्रार्थना सभा में भाग लिया, जिसका उद्देश्य शांति एवं सहिष्णुता का संदेश फैलाना था। इसी के साथ, श्री कृष्ण दत्त अकादमी डिग्री कॉलेज में विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया गया, जिसमें होम्योपैथी के जनक डॉ. सैम्युअल हैनिमन की विरासत को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर प्रख्यात होम्योपैथी विशेषज्ञों ने छात्रों को संपूर्ण चिकित्सा प्रणाली की महत्ता तथा आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल में होम्योपैथी की बढ़ती भूमिका पर अपने विचार साझा किए। वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति पर एक जागरूकता सत्र का आयोजन भी किया गया। दोनों आयोजनों ने विद्यार्थियों को आध्यात्मिक, नैतिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जागरूक होने का अवसर प्रदान किया, जो एसकेडी ग्रुप के उस उद्देश्य के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत बौद्धिक रूप से सशक्त एवं सामाजिक रूप से उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण किया जाता है। एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन सतत रूप से एकीकृत शिक्षा का प्रकाशस्तंभ बना हुआ है, जहाँ शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–साथ सांस्कृतिक एवं नैतिक समृद्धि का समावेश होता है।

सीएमओ ने कई स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

अयोध्या। गुरुवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सुशील कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुनवा,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सैदपुर, आयुष्मान आरोग्य मंदिर (उपकेंद्र), सैदपुर पर अयोध्या का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी संचालन,औषधीय की उपलब्धता,आकस्मिक सेवा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के विभिन्न कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति, अभिलेखों का रखरखाव को बारीकी से देखा।इस मौके पर

उन्होंने प्रसव कक्ष मे एवं अन्य जगहों पर उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि आने वाले रोगियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जाए।सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुनवा के अधीक्षक डॉ सतीश चंद्र ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को बताया कि उनके सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से डॉ प्रदीप तिवारी एवं फार्मासिस्ट की ड्यूटी चौत्र राम नवमी मेला में लगा दिया गया है।जिससे वहां कि स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही है।जिसे मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने संज्ञान लेते हुए मेला अधिकारी को तत्काल दूरभाष से वार्ता कर तुरंत रिलीव करने को कहा।साथ किसी भी अधिकारी एवं कर्मचारी की अपने कार्य के प्रति शिथिलता किसी भी स्तर पर क्षम्य नहीं होनी चाहिए।

अज्ञात कारणों से प्लाईवुड फैक्ट्री में लगी आग ,कड़ी मस्कत के बाद फायर ब्रिगेड टीम ने आग पर पाया काबू

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जलालपुर थाना क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव के पास मकरा चौराहे स्थित पशुपति प्लाईवुड फैक्ट्री में शुक्रवार दोपहर को अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से फैक्ट्री में रखा लाखों रुपए का प्लाई जलकर राख हो गया।इस दौरान फैक्टरी में रह रहे मजदूरों में अफरातफरी मच गई।आग की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों की मदद से आग बुझाने की कोशिश की गई। कुछ ही देर बाद जनपद के अलावा वाराणसी से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ी भी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के लिए प्रयास शुरू कर दिए गए। घंटों मस्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। फैक्ट्री मालिक भारी नुकसान को लेकर चिंतित हैं। इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार केराकत अजीत कुमार रजक ने बताया कि आज थाना जलालपुर अन्तर्गत मकरा में स्थित पशुपति प्लाईवुड फैक्ट्री में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई, प्राप्त सूचना पर पुलिस द्वारा मौके पर पहुँचकर स्थानीय लोगों की मदद से 06 कर्मचारियों को बाहर निकालकर फायर टेण्डर की और वाराणसी से आई फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पाया गया।आग किन कारणों से लगी इसकी जांच पड़ताल की जा रही है।

रोडवेज बस की टक्कर से फाइनेंसर की मौत पुलिस बस की तलाश में जुटी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के प्रयागराज मार्ग पर फतेहगंज के पास बुधवार देर रात हुए दर्दनाक हादसे में एक 45 वर्षीय फाइनेंसर की मौत हो गई। मृतक की पहचान सिकरारा थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव निवासी अरुण प्रताप सिंह के रूप में हुई है, जो मुख्यालय पर रहकर ग्लोबल फाइनेंस कंपनी और डेयरी का संचालन करते थे। बुधवार देर रात अरुण प्रताप सिंह बाइक से अपने गांव लौट रहे थे, तभी प्रयागराज से जौनपुर जा रही रोडवेज बस ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद

रोडवेज बस चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल के मोर्चरी में रखवा।इस मामले में गुरुवार को जानकारी लेने पर बक्शा थाना प्रभारी लक्ष्मण विक्रम सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रोडवेज चालक की तलाश की जा रही है।इस हादसे से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। परिजन और शुभचिंतक गहरे सदमे में हैं।

उद्योग बंधु कमेटी के सदस्य ने उठाई नाली निर्माण की मांग

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोंडा। उत्तर प्रदेश उद्योग बंधु मंडलीय सलाहकार कमेटी गोंडा के सदस्य विपिन लोहिया ने बताया कि विगत दिनों मंडल मुख्यालय पर आयुक्त देवीपाटन मंडल की अध्यक्षता में मंडलीय उद्योग बंधु की बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंडलीय उद्योग बंधु कमेटी के सदस्य विपिन लोहिया द्वारा कुछ प्रकरण को लेकर लिखित शिकायत किया गया था, जिसमें प्रमुख मांग अवगत कराया है कि गोंडा में जिला अस्पताल बाउन्ड्री से उत्तर की तरफ डा० डीके राव हास्पिटल के गली तक कई ब्रान्डेड कपड़े के शोरूम व दस दुकाने मौजूद हैं। परन्तु वहाँ पर नाला व नाली न होने के कारण घर व दुकानों में पानी भर जाता है, साथ ही व्यापारियों का बरसात के मौसम में लाखों रूपये का नुकसान हो जाता है, ऐसे में नाला व नाली बनाया जाना जनहित में बहुत ही अत्यंत आवश्यक है। इस मामले को लेकर देवीपाटन मंडल के आयुक्त ने गंभीरता दिखाई है, बता दें कि ऐसे महत्वपूर्ण जिला अस्पताल का मुख्य मार्ग सड़क के बगल नाली न होने को लेकर मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने विभाग से नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण मांगा है, वहीं आयुक्त द्वारा उपायुक्त उद्योग गोण्डा को निर्देशित किया है कि इस कार्य को नियमानुसार निस्तारण कर सुनिश्चित करायें।

तीव्र गति से आ रही अनियंत्रित डंपर की चपेट मैं आकर एक श्रद्धालु की मौत आधा दर्जन से घायल

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के लता मंगेशकर चौराहे पर मंगलवार की देर शाम गोंडा की और से तीव्र गति से आ रही एक अनियंत्रित डंपर एक के बाद एक पुलिस द्वारा लगाए गए कई बैरियर को तोड़ते हुए फुटपाथ पर आ गई।इस डंपर की चपेट में आकर एक श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई वही आधा दर्जन से अधिक श्रद्धालु गंभीर रुप से घायल हो गए।जिन्हें आनन फानन में स्थानीय लोगों ने श्री राम चिकित्सालय तथा उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए वहां से चिकित्सकों ने हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया।चिकित्सकों की मानें तो घायल श्रद्धालुओं में दो की हालत काफी चिंताजनक बताई जा रही है। इस हादसे में जहां एक ओर अशोक कुमार मद्धेशिया(42) पुत्र राधेश्याम निवासी कउवा सार थाना नेबुआ जिला कुशीनगर, शोभित पांडेय (15) पुत्र जितेंद्र नाथ सिमरवा भवानी, अजय कुमार (40) पुत्र राम तीरथ रनियापुर बहराइच, निरंकार (45)पुत्र अयोध्या प्रसाद बनकटा थाना पयागपुर बहराइच,राजा (35) पुत्र रिजवान निवासी हलकारा का पुरवा अयोध्या को ट्रामा सेंटर दर्शन नगर रिफर कर दिया गया वही इस हादसे का शिकार हुए व गंभीर रुप से घायल हर्षित पांडे 17 पुत्र पंकज पांडे भवानीपुर थाना भानेपुर जिला गोंडा की मौत हो गई। बुधवार की सुबह पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।इस संबंध मे सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि मृतक के चाचा संजीव पांडे ने घटना करने वाले ट्रक ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।उन्होंने बताया कि ट्रामा सेंटर में भर्ती सभी घायलों को चिकित्सकों ने खतरे से बाहर बताया हैं।हादसे की जानकारी मिलते ही आईजी प्रवीण सिंह सहित पुलिस विभाग के आलाधिकारी व सुरक्षा कर्मी स्थानीय लोगों तथा श्रद्धालुओं की मदद से राहत कार्य करने में जुटे रहे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।